

वनियामकीय सैंडबॉक्स के लिये व्यापक रूपरेखा

प्रलिस के लिये:

[भारतीय रज़िर्व बैंक, वनियामकीय सैंडबॉक्स, डजिटल वयक्तगित डेटा संरक्षण अधनियम, 2023, फनितेक](#)

मेन्स के लिये:

नए वत्ततीय नवाचारों के जोखमिों के आकलन में वनियामकीय सैंडबॉक्स का महत्त्व ।

[स्रोत: बज़िनेस स्टैण्डर्ड](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय रज़िर्व बैंक](#) ने [वनियामकीय सैंडबॉक्स](#) के वभिन्न चरणों को पूरा करने की समय-सीमा को पछिले 7 महीनों से बढ़ाकर **9 महीने** कर दिया है ।

- वनियामकीय सैंडबॉक्स के लिये अद्यतन ढाँचे में [डजिटल वयक्तगित डेटा संरक्षण अधनियम, 2023](#) के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सैंडबॉक्स संस्थाओं की भी आवश्यकता होती है ।

वनियामकीय सैंडबॉक्स (RS) क्या है?

पृष्ठभूमि:

- भारतीय रज़िर्व बैंक ने [फनितेक](#) के वसितृत पहलुओं के साथ उसके **नहितार्थों की नगिरानी करने एवं रपिर्त करने हेतु वर्ष 2016 में एक अंतर-नियामक कार्य समूह की स्थापना** की, ताका नियामक ढाँचे की समीक्षा की जा सके और साथ हीतेज़ी से **वकिसति हो रहे फनितेक परदृश्य की गतशीलता** पर प्रतिक्रिया दी जा सके ।
- रपिर्त में एक अचछी तरह से परभाषति स्थान और अवधि के भीतर एक **वनियामकीय सैंडबॉक्स** के लिये एक उपयुक्त ढाँचे को प्रस्तुत करने की सफिरशि की गई है, जहाँ वत्ततीय क्षेत्र नियामक दक्षता बढ़ाने, जोखमिों का प्रबंधन करने तथा उपभोक्ताओं के लिये नए अवसर सृजति करने हेतु आवश्यक नियामक मार्गदर्शन प्रदान करेगा ।

परचिय:

- वनियामकीय सैंडबॉक्स एक **नयित्तरति नियामक वातावरण में नए उत्पादों अथवा सेवाओं के प्रत्यक्ष रूप से हुए परीक्षण को संदर्भति** करता है जिसके लिये नियामक परीक्षण के सीमति उद्देश्य हेतु कुछ नियामक छूट की अनुमति दे भी सकते हैं और नहीं भी ।
- वनियामकीय सैंडबॉक्स एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है जो **अधिक गतशील, साक्ष्य-आधारति नियामक वातावरण** को सक्षम बनाता है जो **उभरती प्रौद्योगिकियों से सीखते हुए उनके साथ-साथ वकिसति** होता है ।
- यह **वनियामक, वत्ततीय सेवा प्रदाताओं और ग्राहकों** को उनके जोखमिों की नगिरानी तथा नयित्तरण करते हुए नए वत्ततीय नवाचारों के लाभों एवं जोखमिों पर साक्ष्य एकत्र करने के लिये क्षेत्र परीक्षण करने में सक्षम बनाता है ।

उद्देश्य:

- वनियामकीय सैंडबॉक्स का उद्देश्य **वत्ततीय सेवाओं में उत्तरदायी नवाचार को बढ़ावा देकर दक्षता को प्रोत्साहन प्रदान करना** और **उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाना** है ।
- यह वनियामक को **संबद्ध पारतिंत्तर के साथ जुड़ने और नवाचार-सक्षम अथवा नवाचार-उत्तरदायी नयिमों** को वकिसति करने के लिये एक **संरचति अवसर प्रदान कर सकता है जो प्रासंगिक, अल्प लागत वाले वत्ततीय उत्पादों** की डलिवरी की सुवधि प्रदान करता है ।

लक्षति आवेदक:

- वनियामकीय सैंडबॉक्स में प्रवेश के लिये लक्षति आवेदकों में **फनितेक, बैंक** और वत्ततीय सेवा **व्यवसायों** के साथ साझेदारी करने वाली अथवा उन्हें सहायता प्रदान करने वाली कंपनियों शामिल हैं ।

भारत में वनियामकीय सैंडबॉक्स का अंगीकरण:

- **फनिटेक फोकस:** भारतीय रज़िर्व बैंक ने वर्ष 2019 में पहला वनियामकीय सैंडबॉक्स कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
 - यह RBI की देखरेख में नयित्तरति वातावरण में नवीन वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के लाइव परीक्षण की सुविधा प्रदान करता है।
- **वषियगत कॉहोर्ट्स:** RBI सैंडबॉक्स वषियगत कॉहोर्ट्स के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक कॉहोर्ट खुदरा भुगतान, सीमा पारीय लेन-देन अथवा MSME ऋण जैसे वषिषिट क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करता है।
 - वनियामकीय सैंडबॉक्स से संबंधित प्रमुख घटक:
 - वनियामकीय सैंडबॉक्स कॉहोर्ट्स: वित्तीय समावेशन, भुगतान और ऋण, डजिटल KYC आदि पर ध्यान केंद्रित करने वाले वषियगत कॉहोर्ट्स पर आधारित।
 - वनियामक छूट: RBI द्वारा कुछ छूट प्रदान की जा सकती हैं जिनमें चलनधि आवश्यकताएँ, बोर्ड संरचना, वैधानिक प्रतबंध आदि शामिल हैं।
 - वनियामकीय सैंडबॉक्स परीक्षण से अपवर्जन: सांकेतिक नकारात्मक सूची में क्रेडिट रजिस्ट्री, कर्पिटोकरेंसी, प्रारंभिक सक्का प्रस्ताव/पेशकश (Initial Coin Offerings) आदि शामिल हैं।
- **टेलीकॉम सैंडबॉक्स:** सरकार ने "मलिनयिम स्पेक्ट्रम रेगुलेटरी सैंडबॉक्स" पहल शुरू की। इसमें एक स्पेक्ट्रम रेगुलेटरी सैंडबॉक्स (SRS) और वायरलेस टेस्ट जोन (WiTe ज़ोन) शामिल हैं।
 - इन पहलों का उद्देश्य दूरसंचार अनुसंधान एवं वकिस गतविधियों के लिये नयिमों को सरल बनाना और तकनीकी प्रगति के लिये नए स्पेक्ट्रम बैंड की खोज करना है।

वनियामकीय सैंडबॉक्स से संबंधित लाभ और चुनौतियाँ क्या हैं?

- **लाभ:**
 - वनियामक अंतरदृष्टि: नयियामक उभरती प्रौद्योगिकियों के लाभों और जोखिमों तथा उनके नहितार्थ पर प्रत्यक्ष अनुभवजन्य साक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे संभावित नयियामक परिवर्तनों पर वचिरशील दृष्टिकोण अपना सकें।
 - वित्तीय प्रदाताओं के लिये समझ: मौजूदा वित्तीय सेवा प्रदाता अपनी समझ में सुधार कर सकते हैं कि नई वित्तीय प्रौद्योगिकियाँ कैसे काम कर सकती हैं, संभावित रूप से उन्हें अपनी व्यावसायिक योजनाओं के साथ ऐसी नई प्रौद्योगिकियों को उचित रूप से एकीकृत करने में मदद मिल सकती है।
 - लागत प्रभावी व्यवहार्यता परीक्षण: RS के उपयोगकर्ताओं के पास बड़े और अधिक महंगे रोल-आउट की आवश्यकता के बिना उत्पाद की व्यवहार्यता का परीक्षण करने की क्षमता है।
 - वित्तीय समावेशन क्षमता: फनिटेक ऐसे समाधान प्रदान करते हैं जो संभावित रूप से महत्वपूर्ण तरीके से वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ा सकते हैं।
 - नवप्रवर्तन के लिये महत्वपूर्ण क्षेत्र: जिन क्षेत्रों को संभावित रूप से RS से बल मिल सकता है उनमें माइक्रोफाइनेंस, संभावित रूप से नवीन लघु बचत, प्रेषण, मोबाइल बैंकिंग और अन्य डजिटल भुगतान शामिल हैं।
- **चुनौतियाँ:**
 - लचीलापन और समय की कमी: नवप्रवर्तकों को सैंडबॉक्स प्रक्रिया के दौरान लचीलेपन और समय के साथ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे संभावित रूप से अनुकूलन तथा त्वरित पुनरावृत्त करने की उनकी क्षमता प्रभावित हो सकती है।
 - केस-दर-केस प्राधिकरण: व्यक्तगित आधार पर अनुकूलित प्राधिकरण और नयियामक छूट हासिल करना एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है, जिसमें अक्सर व्यक्तपरिक मूल्यांकन शामिल होता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रयोग में देरी हो सकती है।
 - कानूनी छूट पर सीमाएँ: RBI या उसका नयियामक सैंडबॉक्स कानूनी छूट की पेशकश नहीं कर सकता है, जो प्रयोग करते समय कानूनी जोखिमों को कम करने की चाह रखने वाले नवप्रवर्तकों को सीमित कर सकता है।
 - सैंडबॉक्स के बाद वनियामक सवीकृतियाँ: सफल सैंडबॉक्स परीक्षण के बाद भी, प्रयोगकर्ताओं को अपने उत्पाद, सेवाओं या प्रौद्योगिकी को व्यापक अनुप्रयोग के लिये अनुमति देने से पहले नयियामक अनुमोदन की आवश्यकता हो सकती है, जिससे संभावित रूप से बाज़ार में आने का समय बढ़ सकता है।

आगे की राह

- नवप्रवर्तकों पर समय और प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिये सैंडबॉक्स प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की दशा में काम करें। इसमें आवेदन प्रक्रियाओं को सरल बनाना और भागीदारी के लिये स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करना शामिल हो सकता है।
- नरिणय लेने के लिये स्पष्ट मानदंड प्रदान करके और यह सुनिश्चित करके कि नरिणय लगातार तथा नषिपक्ष रूप से किये जाएँ, मामले-दर-मामले प्राधिकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाएँ।
- सैंडबॉक्स में भाग लेने वाले नवप्रवर्तकों के लिये व्यापक शक्ति और सहायता प्रदान करें, जिसमें नयियामक आवश्यकताओं तथा संभावित कानूनी मुद्दों पर मार्गदर्शन शामिल है।
- प्रयोग के दौरान उत्पन्न होने वाले कानूनी मुद्दों, जैसे उपभोक्ता हानि, के समाधान के लिये रूपरेखा वकिसति करने हेतु कानूनी वषिषज्जों के साथ सहयोग करें। इसमें नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिये सुरक्षा उपायों को लागू करना शामिल हो सकता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिये कि सफल प्रयोग तेज़ी से व्यापक अनुप्रयोग के लिये आगे बढ़ सकें, सैंडबॉक्स परीक्षण के बाद वनियामक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करें। इसमें सदिध नवाचारों हेतु फास्ट-ट्रैक अनुमोदन तंत्र स्थापित करना शामिल हो सकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

??????????:

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखिति पर वचिर कीजयि: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. कषेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँव को गोद लेना

उपर्युक्त में से कसिे भारत में "वत्तितीय समावेशन" प्राप्त करने के लयिे उठाय़ा गया कदम माना जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/comprehensive-framework-for-a-regulatory-sandbox>

